DR APJ ABDUL KALAM UNIVERSITY, INDORE

B.A. Under Graduate Semester Syllabus

(w.e.f. July 2017 Onwards)

Class: - B.A III Sem

Subject: - History

Title: - Sultanate Period 1200 to 1739 AD

सल्तनतकाल 1200 से 1739 ई.-

Marks: 85+15CCE

Particular / विवरण

Objective- The imperial forces found roots in India during the Sultanate period. The system however lacked the elements of stability and consequently witnessed frequent changes in the dynastic rule. However the political and administrative consolidation under Akbar resulted in composite administrative governance in India. Later with the decline of the Mughal the fragmentation of the socio-political system in India was evident primarily due to the inherent weakness of the administrative system which brought about disintegration. However despite administrative failure, the socio-cultural fabric of India sustained and process of assimilation continued. Despite the frequent changes in the ruling classes, the socio-economic structure was not disturbed.

उद्देश्यः– सल्तनत काल में भारत में साम्राज्य की जड़ें गहरी हुइ ं परन्तु फिर भी इस व्यवस्था में स्थायित्व नहीं था, क्योंकि लगातार राज्य सत्ता परिवर्तित होती रही। अकबर के काल में प्रशासकीय एवं राजनैतिक सुसंगठन के कारण भारत में मिश्रित प्रशासकीय अधोसंरचना स्थापित हुई। बाद में मु गलो के पतन के साथ भारत में सामाजिक राजनै तिक विखंडीकरण दृष्टिगोचर होने लगा जो संभवतया प्रशासनिक शिथिलीकरण का परिणाम था। यद्यपि, प्रशासनिक शिथिलीकरण के बावजूद भारत की सामाजिक सांस्कृतिक संरचना अक्षुण्ण रही तथा समन्वय की प्रक्रिया अनवरत रही।

Unit I

Sources of Medieval Indian History. Foundation and Consolidation of the Delhi Sultanate – Qutubuddin Aibak, Iltutmish. Razia Sultana and Balban. Alauddin Khalji - His conquests and reforms. The Mongol invasions.

मध्यकालीन भारतीय इतिहास के स्रोत। दिल्ली सुल्तनत की स्थापना एवं सुदृढ़ीकरण– कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुतमिश रजिया सुल्तान, बलवन। अलाउद्दीन खिलजी की विजय और सुधार। मंगोल आक्रमण।

Unit II

Mohammad bin Tughluq and Firuz Shah Tughluq. Disintegration of the Delhi Sultanate, Vijayanager and Bahmani Kingdoms. Timur's invasion and its impact. Invasion of the Mughals, Babur and Humayun, Sher Shah Suri.

मोहम्मद बिन तुगलक और फिरोजशाह तुगलक। दिल्ली सल्तलत का विकेन्द्रीकरण, विजयनगर एवं बहमनी साम्राज्य। तैमूर आक्रमण और उसका प्रभाव। मुगल आक्रमण– बाबर और हुमायूँ, शेरशाह सूरी।

Unit III

Akbar- Consolidation and territorial expansion of the Mughal empire, his Religious and Rajput Policy. Jahangir, Shahjahan, Mughal Sikh relations. Rise of Marathas, Shivaji- His conquests and

administration. Aurangzeb and the decline of the Mughal empire, Nadir Shah's invasion and its impact.

अकबर– मुगल साम्राज्य का सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार– उसकी धार्मिक एवं राजपूत नीति। जहाँगीर और शाहजहाँ, मुगल– सिक्ख संबंध। मराठों का उत्कर्ष, शिवाजी की विजय एवं उनका प्रशासन। औरंगज़ेब और मुगल साम्राज्य का पतन, नादिरशाह का आक्रमण एवं उसके प्रभाव।

Unit IV

Socio-religious life during the Sultanate period-Bhakti and Sufi movements. Economic life during Sultanate period, Agriculture Industry and Trade. Administrative system.

सल्तनतकालीन सामाजिक व धार्मिक जीवन – भक्ति एवं सूफी आन्दोलन। सल्तनत काल में आर्थिक जीवन– कृषि, उद्योग और व्यापार। प्रशासनिक तंत्र।

Unit V

Mughal administration and institutions. Mansabdari System. Social and religious life, Status of women. Economic life, Agriculture, Trade and Commerce Architecture.

मुगल प्रशासन एवं संस्थायें। मनसबदारी व्यवस्था। सामाजिक एवं धार्मिक जीवन, स्त्रियों की स्थिति। आर्थिक जीवन, कृषि, व्यापार, वाणिज्य। स्थापत्य कला।

Suggested Readings

- डॉ. आशीर्वादी लाल श्रीवास्तव – सल्तनतकालीन भारत
- डॉ. आशीर्वादी लाल श्रीवास्तव – मध्यकालीन भारत का इतिहास
- इब्ने हसन मुगल – मुगल साम्राज्य का ढांचा,
- डॉ. किशोरीशरण लाल – खिलजीवंश
- डॉ. ऐ.वी. पाण्डेय – मध्यकालीन भारत का इतिहास
- डॉ. एल.पी. शर्मा – मुगलकालीन भारत
- डॉ. राधेशरण – मध्यकालीन भारतीय समाज एवं संस्कृति
- डॉ. रतिभानु सिंह नाहर – मध्यकालीन भारत का इतिहास
- आर. पी त्रिपाठी – मुगल साम्राज्य का उत्थान एवं पतन
- इरफान हबीब – मध्यकालीन भारत का आर्थिक इतिहास
- डॉ. सतीश चन्द – मध्यकालीन भारत में इतिहास लेखन, धर्म और राज्य का स्वरूप
- डॉ. राधेशरण – मध्यकालीन भारत का इतिहास
- हरीश चन्द्र वर्मा – मध्यकालीन भारत भाग 1 एवं 2

DR APJ ABDUL KALAM UNIVERSITY, INDORE

B.A. Under Graduate Semester Syllabus

(w.e.f. July 2017 Onwards)

Class: - B.A IV Sem

Subject: - History

Title: - Main Currents of World History , from 1871 to 1945 AD

विश्व इतिहास की प्रमुख धाराएं 1871 से 1945 तक

Marks: 85+15CCE

Particular / विवरण

Objective- Imperialism and colonialism were caused as a bye product of nationalism and industrial revolution in Europe. This laid basis for a well defined capitalism. Ideological clashes between nations resulted in the two world wars. In this period Russian Revolution as well as anti imperial and anti colonial struggle took place. A good understanding of all the above phenomenon has to be made.

उद्देश्यः– यूरोप में राष्ट्रवाद तथा औद्योगिक क्रांति के परिणाम साम्राज्यवाद तथा उपनिवेशवाद के रूप मे सामन आये। उपरोक्त के कारण स्पष्ट परिभाषित पूँजीवाद का प्रादुर्भाव हुआ। राष्ट्रो के वैचारिक मतभेदों के कारण दो विश्व युद्ध हुए। इस विवेच्य काल में रूसी क्रांति हुई तथा साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद के विरुद्ध संघर्ष भी हुआ। अध्ययन में उपराक्त सभी घटनाक्रमों की अच्छी समझ अपेक्षित है।

Unit I

Third Republic of France. Internal and foreign police of Bismarck. Foreign policy of Kaiser William II. Scramble for Africa.

फ्रांस का तृतीय गणराज्य। बिस्मार्क– गृह एवं विदेश नीति। कैसर विलियम द्वितीय की विदेश नीति। अफ्रीका का विभाजन।

Unit II

Eastern Question (from 1871). Berlin Congress (1878). Young Turk Movement and the Balkan wars (1912-13). World War I-causes, effects. Russian Revolutions of 1905 and 1917.

पूर्वी प्रश्न (1871 से)। बर्लिन कांग्रेस (1878)। युवा तुर्क आंदोलन, बाल्कन युद्ध (1912–13)। प्रथम विश्वयुद्ध– कारण, प्रभाव। रूस में 1905 और 1917 की क्रांति।

Unit III

Wilson's fourteen Principles. Paris Peace Conference. League of Nations. Rise of Fascism, internal and foreign police of Mussolini. Nazism- internal and foreign policies of Hitler.

विल्सन के चौदह सूत्र। पेरिस का शांति सम्मेलन। राष्ट्रसंघ। फसीवाद का उदय– मुसोलिनी, गृह एवं विदेश नीति। नाजीवाद, हिटलर– गृह एवं विदेश नीति।

Unit IV

Imperialism and colonialism in China and Japan; First and Second Opium wars, Demands for concessions in China. Japan- the Meiji Restoration, Modernization of Japan, Rise of Militarism. Sino-Japanese war (1894), Russo-Japanese war (1905). Taipinng Rebellion, Boxer movement. Chinese Revolution- 1911.

चीन और जापान में उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद– प्रथम व द्वितीय अफीम युद्ध, चीन में सुविधाओं की मांग। जापान, मेइजी पुर्नस्थापना, आधुनिकीकरण, सैन्यवाद का उदय। चीन जापान युद्ध 1894, रूस जापान युद्ध 1905। बॉक्स विद्रोह, चीनी क्रांति– 1911।

Unit V

Second Sino- Japanese war, World politics between Two world wars. Causes and effects of the world war II.

दोनों विश्वयुद्धों के मध्य विश्व राजनीति। द्वितीय विश्वयुद्ध– कारण एवं प्रभाव।

Suggested Reading :

- सी.डी. हेजन – यूरोप का इतिहास
- ग्रान्ट एवं टेम्परले – यूरोप का इतिहास
- दीनानाथ वर्मा – यूरोप का इतिहास
- भटनागर एवं गुप्त – अर्वाचीन यूरोप का इतिहास
- डॉ. विमल चंद्र पाण्डेय – यूरोप का इतिहास
- डॉ. मनाजिर अहमद – यूरोप का इतिहास
- बालकृष्ण पंजाबी – फ्रांस की क्रांति
- डॉ. भगवान सिंह वर्मा – विश्व इतिहास
- मथुरालाल शर्मा – यूरोप का इतिहास भाग 1–2
- पार्थसारथी गुप्ता – यूरोप का इतिहास
- देवेन्द्र सिंह चौहान – यूरोप का इतिहास
- सी,डी,एम कैटल्बी– आधुनिक यूरोप

Recommendation of Books	(हिन्दी)